Amar Ujala
23-5-2022

# 'जैव विविधता के संरक्षण से बचेगा अस्तित्व'

## वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित सेमिनार में बोलीं संस्थान निदेशक

**देहरादून।** 'भारत समेत पूरी दुनिया में जैव विविधता के संरक्षण से ही मानव अस्तित्व को बचाया जा सकता है। मानव जैव विविधता से सीधे जुड़ा है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में जलवायु परिवर्तन के साथ ही मानवीय हस्तक्षेप के चलते जैव विविधता पर सीधा असर पड़ा है। इसका दुष्प्रभाव कई रूपों में दिखायी देने लगा है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि हम सभी मिलकर जैव विविधता के संरक्षण के लिए आगे आएं।' अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर वन अनुसंधान संस्थान में 'सभी के जीवों के लिए साझा भविष्य निर्माण' विषय पर आयोजित सेमिनार में ये बातें संस्थान निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने कहीं।

रविवार को संस्थान के विस्तार प्रभाग की ओर से पक्षी एवं पादप जैव विविधता दर्शन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रभाग की प्रमुख ऋचा मिश्रा से कई जानकारियां दीं। एक समूह के प्रतिभागियों को वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अरुण प्रताप सिंह ने संस्थान का भ्रमण कराने के साथ ही पक्षियों के बारे में जानकारी दी। दूसरे समूह के लोगों को वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनूप चंद्रा ने पेड़-पौधों की विविधता के बारे में बताया। इसके बाद मौखिक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. चरण सिंह, रामबीर सिंह, विजय कुमार, प्रीतपाल सिंह, रमेश सिंह, सहायक, पूनम पंत आदि मौजूद थे।

### *जैव विविधता का संरक्षण सबकी जिम्मेदारी*

*दून चिड़ियाघर में भी जैव विविधता दिवस मनाया गया। इसमें पूर्व प्रमुख वन संरक्षक डॉ. आरबीएस रावत समेत कई अधिकारियों ने हिस्सा लिया। डॉ. रावत ने कहा कि दुनिया के तमाम देशों को जैव विविधता के संरक्षण के लिए ठोस और कारगर कदम उठाने की जरूरत है। समय रहते जैव विविधता को संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए समस्या खड़ी होगी। उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव आरएन झा, मेयर सुनील उनियाल गामा, मुख्य वन संरक्षक एवं चिड़ियाघर निदेशक पीके पात्रो, मुख्य वन संरक्षक मनोज चंद्रन समेत कई वक्ताओं ने इस दौरान संबोधित किया।*

# Shah Times
23-5-2022

**एक नजर....**

# अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाया

**देहरादून।** वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में ''सभी के जीवों के लिए साझा भविष्य निर्माण'' की थीम से संबंद्ध अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विस्तार प्रभाग द्वारा पक्षी एवं पादप जैवविविधता दर्शन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों का विस्तार प्रभाग के प्रमुख श्रीमती ऋचा मिश्रा, भा.व. से. तथा उनकी टीम द्वारा स्वागत किया गया तथा पक्षी एवं पादप दर्शन के लिए प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह द्वारा डा0 अरुण प्रताप सिंह, वैज्ञानिक-एफ, कीट विज्ञान प्रभाग के दिशा निर्देशन में संस्थान में भ्रमण के दौरान पक्षियों का दर्शन किया गया एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त की गई। दूसरे समूह ने भ्रमण के दौरान डा0 अनूप चन्द्रा, वैज्ञानिक-एफ, वनस्पति प्रभाग के मार्ग दर्शन में पेड़-पौधों की विविधता के बारे में जानकारी हासिल की। भ्रमण के उपरांत दोनों समूह वनस्पति उद्यान में पुन: एकत्रित हुए जहां पर उनको संस्थान की निदेशक डा0 रेनू सिंह, भा.व.से. द्वारा सम्बोधित किया गया। अपने सम्बोधन के दौरान उन्होंने जैवविविधता के विभ्भिन पहलुओं प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को बताया तथा कहा कि जैवविविधता के संरक्षण से ही हमारा मानव जीवन जुड़ा हुआ है, जो कि कोविड काल की महामारी से सिद्ध हो चुका है। उन्होंने कहा कि जैवविविधता का संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रतिभागियों के लिए एक मौखिक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ, विस्तार प्रभाग के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग के रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विजय कुमार, सहायक वन संरक्षक, प्रीतपाल सिंह, वन राजिक अधिकारी, रमेश सिंह, सहायक, पूनम पंत, अनुभाग अधिकारी, अभियांत्रिकी एवं सेवाएं प्रभाग, प्रचार एवं सम्पर्क अनुभाग की टीम ने अथक प्रयासों से कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना म[illegible] योगदान दिया।

Janbharat Mail
23-5-2022

# अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाया

**देहरादून, संवाददाता।** वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में ''सभी के जीवों के लिए साझा भविष्य निर्माण'' की थीम से संबंद्ध अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विस्तार प्रभाग द्वारा पक्षी एवं पादप जैवविविधता दर्शन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों का विस्तार प्रभाग के प्रमुख श्रीमती ऋचा मिश्रा, भा.व.से. तथा उनकी टीम द्वारा स्वागत किया गया तथा पक्षी एवं पादप दर्शन के लिए प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह द्वारा डा0 अरुण प्रताप सिंह, वैज्ञानिक-एफ कीट विज्ञान प्रभाग के दिशा निर्देशन में संस्थान में भ्रमण के दौरान पक्षियों का दर्शन किया गया एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त की गई। दूसरे समूह ने भ्रमण के दौरान डा0 अनूप चन्द्रा, वैज्ञानिक-एफ वनस्पति प्रभाग के मार्ग दर्शन में पेड़-पौधों की विविधता के बारे में जानकारी हासिल की। भ्रमण के उपरांत दोनों समूह वनस्पति उद्यान में पुनः एकत्रित हुए जहां पर उनको संस्थान की निदेशक डा0 रेनू सिंह, भा.व.से. द्वारा सम्बोधित किया गया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों के लिए एक मौखिक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डा0 चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ विस्तार प्रभाग के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग के श्री रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, श्री विजय कुमार, सहायक वन संरक्षक, श्री प्रीतपाल सिंह, वन राजिक अधिकारी, श्री रमेश सिंह, सहायक, श्रीमती पूनम पंत, अनुभाग अधिकारी, अभियांत्रिकी एवं सेवाएं प्रभाग, प्रचार एवं सम्पर्क अनुभाग की टीम ने अथक प्रयासों से कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Uttarbharat Live

23-5-2022

# वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया जैव विविधता दिवस

## पक्षियों के बारे में दी गई जानकारी

**उत्तर भारत लाइव ब्यूरो**

uttarbharatlive.com

**देहरादून।** वन अनुसंधान संस्थान में सभी के जीवों के लिए साझा भविष्य निर्माण की थीम से संबंद्ध अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विस्तार प्रभाग द्वारा पक्षी एवं पादप जैवविविधता दर्शन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों का विस्तार प्रभाग के प्रमुख ऋचा मिश्रा, भावसे तथा उनकी टीम द्वारा स्वागत किया गया तथा पक्षी एवं पादप दर्शन के लिए प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह द्वारा डा. अरुण प्रताप सिंह, वैज्ञानिक-एफ कीट विज्ञान प्रभाग के दिशा निर्देशन में संस्थान में भ्रमण के दौरान पक्षियों का दर्शन किया गया एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त की गई। दूसरे समूह ने भ्रमण के दौरान डा अनूप चन्द्रा, वैज्ञानिक-एफ वनस्पति प्रभाग के मार्ग दर्शन में पेड़-पौधों की विविधता के बारे में जानकारी हासिल की। भ्रमण के उपरांत दोनों समूह वनस्पति उद्यान में पुनः एकत्रित हुए जहां पर उनको संस्थान की निदेशक डा रेनू सिंह, द्वारा सम्बोधित किया गया। अपने सम्बोधन के दौरान उन्होंने जैवविविधता के विभ्भिन पहलुओं प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को बताया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के लिए एक मौखिक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डा चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ विस्तार प्रभाग के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग के रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विजय कुमार, सहायक वन संरक्षक, प्रीतपाल सिंह, वन राजिक अधिकारी, रमेश सिंह, सहायक, पूनम पंत, अनुभाग अधिकारी, अभियांत्रिकी एवं सेवाएं प्रभाग, प्रचार एवं सम्पर्क अनुभाग की टीम ने अथक प्रयासों से कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

The Hawk

23-5-2022

# FRI Celebrates International Day For Biodiversity-2022

**Dehradun:** International Day for Biodiversity with the theme of Building a Shared Future for All Life, was celebrated in Forest Research Institute, Dehradun. On this occasion, the Extension Division of Forest Research Institute, Dehradun organized programme on Bird Watching and Botanization in the institute's campus. The participants assembled in the Botanical Garden the institute and welcomed by Ms. Richa Misra, IFS, Head, Extension Division and her team. Thereafter, participants were divided into two groups respectively for Birds watching and Botanization. The Bird watching group was lead by Dr. Arun Pratap Singh, Scientist-F of Entomology Division and the Botanization group lead by Dr. Anup Chandra, Scientist-F of Forest Botany Division and both the groups proceeded for biodiversity watching inside the campus. Subsequently, both the groupsreassembled in the botanical garden where they were addressed by Dr. Renu Singh, IFS Director Forest Research Institute. She addressed the participants and spoke on the importance of the biodiversity and its conservation. She also stressed on the need of awareness for conservation of biodiversity. She stated that biodiversity conservation in intrinsicallyassociated with survival of mankind. It is also everybody's moral duty to protect and conserve biodiversity. This has been proven to be true specially in COVID time.

A competition quiz was also arranged for all participants where questions related to biodiversity were asked to the participants. All the participants participated very untheatrically in the quiz competition. The programme was concluded with the vote of thanks delivered by Dr. Charan Singh, Scientist-F, Extension Division of the institute.

The other members of the team including Shri Rambir Sigh, Scientist-E, Shri Vijay Kumar, ACF, Shri Pritpal Singh, Range Officer of Extension Division and team of Electric Section of Engineering & Services Division, team of Forest Botany Division, Public Liaison Office and others did a commendable work to make the programme successful.